B.A. Part-2- Hons- Paper-3

Research Methodology - Psychology

मनोवैज्ञानिक शोध की अवस्थाएं

किसी भी Scientific Research की एक क्रमबद्ध अवस्थाएँ होती है Robinson-1996 ने छः निम्नलिखित अवस्थाओं (Stages) का वर्णन किया है-

(1.) शोध विषय का चयन - यह किसी भी शोध की पहली अवस्था है शोध विषय का अर्थ शोध समस्या से है। Kerlinger-1986 के अनुसार- "समस्या एक ऐसा प्रश्नवाचक कथन होता है जिसके द्वारा यह पूछा जाता है कि - दो या दो से अधिक चरों के बीच किस ढंग का संबंध होता है।"

शोध के विषय का चयन काफी कठिन होता है इसको दूर करने के लिए - Psychological Abstract, Journals, Books, जानकार प्रोफेसर आदि से मदद लिया जाता है।

समस्या निर्धारण के बाद शोध अध्ययन का विशेष उद्देश्य भी निश्चित कर लिया जाता है ताकि शोधकर्ता यह तय कर पाये कि समस्या का विश्लेषण कैसे किया जायेगा। इस हेतु - प्राक्कल्पना - (Hypothesis) बनाई जाती है।

(2.) चरों का वर्गीकरण - शोधकर्ता स्वतंत्र चर (independent Variable IV) और - DV (Dependent Variables) - आश्रित चर - की पहचान कर उसकी सूची तैयार कर लेता है और शोध को आगे बढ़ाता है।

(3.) उचित डिजाइन का चयन - मनोवैज्ञानिक शोध की सबसे महत्वपूर्ण अवस्था - Research Design होता है। Experimental Research एवं Non-Experimental Research दो प्रकार है।

Experimental Research में स्वतंत्र चरों पर शोधकर्ता का पूर्ण

नियंत्रण रहता है तथा चरों में Manipulation- जोड़-तोड़ - आसानी से कर सकता है जबकि - Non-Experimental Research में स्वतंत्र चरों पर सीधा नियंत्रण नहीं होता और न ही चरों में जोड़-तोड़ - ही नहीं कर सकता। Survey, field studies. आदि - Non-Experimental Research का उदाहरण है।

(4.) **विधियाँ** - सामान्यतः विधियों का तीन तरह होते हैं - प्रयोज्य, उपकरण तथा क्रियाविधि है। Procedure के अन्तर्गत - विभिन्न समूहों के बीच - विभिन्न प्रकार के कार्य दिए गए, कैसे निर्देश दिए गए, मनोवैज्ञानिक परीक्षण - किस क्रम में दिए गए आदि - आदि। शोध में विभिन्न Group को विभिन्न प्रकार के परीक्षण के उपरांत विभिन्न समूह का तुलनात्मक अध्ययन की विधि अपनायी जाती है।

(5.) **परिणाम विश्लेषण** - शोध कर्ता के लिए यह एक महत्वपूर्ण दौर होता है, अपने प्रयोग के बाद प्राप्त आंकड़े के आधार पर परिणाम तैयार कर लिया जाता है और उसका विश्लेषण किया जाता है विश्लेषण करने के लिए - Statistical Techniques, जैसे -t-ratio, central Tendency, F-Ratio, Chi-square आदि का प्रयोग होता है।

(6.) **निष्कर्ष निकालना** - शोध का यह अंतिम पड़ाव होता है। समस्या की शुरुआत से अंत तक का सफर पूरा होता है। अंतिम निष्कर्ष पर पहुँचकर शोधकर्ता शोध की समस्या के बारे में विशेष कथन तैयार करता है।

अतः उपरोक्त छः प्रमुख Stages को अपनाकर Psychological Research की वैधता तथा विश्वसनीयता काफी बढ़ जाती है।

Dr- AJAY KUMAR
Associate professor,
Deptt of Psychology
J-J-College, Ara
8789427854, V.K.S.U. ARA, Bihar.